सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२०२६

कक्षा: पाँचवीं	विषय: हिंदी व्याकरण	पाठ: वर्ण विचार

वर्ण विचार

वर्ण:-भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है।

****वर्ण के भेद:-हिंदी भाषा में वर्ण के दो प्रकार होते हैं।**

१-स्वर

२-व्यंजन

****स्वर:-स्वर किसी दूसरे वर्ण की सहायता लिए बिना ही बोले जाते हैं । हिंदी भाषा में कुल ग्यारह (11) स्वर हैं।**

अ, आ इ ,ई ,उ, ऊ, ऋ ए, ऐ, ओ ,औ

****व्यंजन:-व्यंजन स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं प्रत्येक व्यंजन का उच्चारण करते समय उसमें असवार की ध्वनि होती है।हिंदी वर्णमाला में तैंतीस (33) व्यंजन और २ अतिरिक्त व्यंजन होते हैं।**

क से ह तक

वर्णमाला:- वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं।

**अनुस्वार (अं):- अनुस्वार का उच्चारण नाक से किया जाता है इसका चिह्न बिंदु (•) होता है।

जैसे :-शंख ,पंख ,कंगन, गंगा ,जंगल, मंगल आदि।

**अनुनासिक (अँ) :- इसका उच्चारण नाक और गले से किया जाता है इसका चिह्न चंद्रबिंदु (ँ) होता है।

जैसे चाँद, आँख ,गाँव ,हँसना आदि।

**संयुक्त व्यंजन:-दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। यह संख्या में चार होते हैं।

क्+ष् = क्ष

त्+र् = त्र

ज्+ञ् = ज्ञ

श्+र् = श्र

मात्रा:- जब स्वरों का प्रयोग व्यंजन के साथ होता है तो उसका रूप बदल जाता है इस बदले हुए रूप को मात्रा कहते हैं।

मात्राओं की संख्या दस (१०) होती है। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

**वर्ण विच्छेद:-किसी शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग -अलग करना वर्ण विच्छेद कहलाता है।

जैसे:- कमल- क्+अ+म्+अ+ल्+अ